भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3165
उत्तर देने की तारीख 18.12.2025

ओडिशा के कंधमाल जिले में ईएमआरएस

†3165. श्री अनन्त नायक:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने ओडिशा के कंधमाल सहित जनजातीय जिलों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) कंधमाल जिले में ईएमआरएस की वर्तमान स्थिति क्या है और कार्यशील विद्यालयों तथा विकास के विभिन्न चरणों में चल रहे विद्यालयों की संख्या कितनी है;
(ग) क्या सरकार का कंधमाल के खजुरीपाड़ा और चाकापाड़ जैसे जनजाति बहुल ब्लॉकों, जिन्हें वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है, में नए ईएमआरएस को स्वीकृति देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार का अगले चरण में उन्हें शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) और (ख) केंद्रीय बजट 2018-19 में, भारत सरकार ने घोषणा की कि, जनजातीय बच्चों को उनके अपने वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए, 2011 की जनगणना के अनुसार 50% से अधिक अनुसूचित जनजाति की आबादी औ कम से कम 20,000 जनजातीय लोगों वाले प्रत्येक प्रखंड (ब्लॉक) में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) स्थापित किए जाएंगे। ओडिशा राज्य में 111 ईएमआरएस को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 27 को अनुच्छेद 275 (1) के तहत मंजूरी दी गई है।

कंधमाल जिले में दस स्वीकृत ईएमआरएस हैं, जिनमें से दो कार्यशील हैं और शेष निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

(ग) और (घ) ईएमआरएस की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा की जाती है।

*****